हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

प्रदूषण से परेशान

प्रदूषण पर प्रियंका चोपड़ा ने कहा कि दिल्ली में शूटिंग करना मुश्किल है। साफ हवा के लिए हमें मिलकर प्रयास करने होंगे।

मंगलवार, 05 नवंबर 2019, लखनऊ, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 24, अंक 255, 18 पेज+4 पेज लाइव, मूल्य ₹ 4.00, कार्तिक शुक्ल पक्ष, नवमी, विक्रम सम्वत् 2076

प्रदूषण का प्रकोप

ग्रीन हाउस गैसें और धूल के कणों ने बढ़ाई समस्या

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

ओजोन परत के ठीक नीचे ग्रीन हाउस गैसों का जमावड़ा है। इसमें लगातार वृद्धि हो रही है। ठंड की शुरुआत होते ही वायुमंडल में ओस के रूप में मौजूद पानी की बूंदे ग्रीन हाउस गैसों पर दबाव बनाती हैं। ग्रीन हाउस गैस पृथ्वी के नजदीक आकर धुंध के रूप में दिखने लगती हैं। साथ में धुआं व धूल के कण भी सम्पर्क में आ जाते हैं। इसी से प्रदूषण की विकट होती जा रही है।

ये बातें स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक तकनीकी व वैदिक विज्ञान केन्द्र के प्रभारी प्रो. भरतराज सिंह ने कही है। उन्होंने कहा कि वाहनों, एसी-फ्रीज, जनरेटर आदि से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन वृद्धि हो रही है। ठंड की शुरुआत में पटाखों का प्रदूषण, कूड़ा व पराली जलने से धुआं और धूल के कण का मिश्रण होने से वह हमे धुंध के रूप में दिखने लगती हैं। बारिश हो जाए या हवा चले तो समस्या खत्म हो जाएगी।

तात्कालिक उपाय

● गाड़ियों के आवागमन में कमी की जाए। ● साथ ही कृत्रिम बारिश करायी जाए। ● सड़कों, पेड़ों व घरों आदि के आस-पास पानी का छिड़काव हो। ● भवन निर्माण व धूल उड़ाने वाले कार्य स्थगित कर दिये किए जाएं।

स्थायी उपाय

● सड़कों के किनारे तीन-लेयर में पेड़ लगाए जाएं। ● शहर में पार्क व खुले जगह तथा सड़क के किनारे फलदार पेड़ (आम, महुआ, बरगद, पाकड़ आदि) लगाए जाएं।